

मलखंभ पुं. (तत्.) 1. मालखंभ, एक प्रकार का खंभा जिसपर चढ़कर और उतर कर बार-बार तरह-तरह की कसरतें की जाती हैं 2. वह कसरत जो इस प्रकार के खंभे पर की जाती है।

मलखाना पुं. (तद्.) 1. राजपूतों की पश्चिमी उत्तर-प्रदेश में बसने वाली एक जाति 2. राजपूत मुसलमानों की एक जाति-मलकाना।

मलगजा वि. (देश.) मला दला हुआ, मरगजा, जो मल या मसलकर विकृत और विरूप कर दिया गया हो पुं. (देश.) बेसन के घोल में लपेटकर तेल या घी में तले हुए बैंगन के टुकड़े, बैंगन की फाँक की तली पकौड़ियाँ।

मलगर्त पुं. (तत्.) चारों ओर से नालियों या पाइपों द्वारा या अन्यथा आकर जिस गड्ढे में गंदगी या मल आदि एकत्र हो जाता हो, मैल का गड्ढा।

मलगिरी पुं. (देश.) मलयगिरी, एक प्रकार का हल्का कथई रंग।

मलगुटिका स्त्री. (तत्.) मल की छोटी गोली या टिकिया आदि जो काल के प्रभाव से अशमी भूत अर्थात् पत्थरनुमा हो जाती हैं और इनसे विलुप्त जाति के जीव-जंतुओं आदि की खाद्य वस्तुओं एवं उनके भोजन की आदतों का पता चलता है।

मलग्न वि. (तत्.) मलनाशक, सेमल का मुसला।

मलज पुं. (तत्.) 1. पीब, मवाद, पीप, पूय 2. मल से उत्पन्न।

मलट पुं. (तद्.) मलपट, मलपट्ट, पुस्तक आदि को धूल, मिट्टी आदि से बचाने के लिए उस पर चढ़ाया जाने वाला कागज आदि का आवरण या जिल्द।

मलद्रावी वि. (तद्.) विरेचक, जिससे दस्त लग जाएँ उदा. जमाल गोटा।

मलद्वार पुं. (तत्.) शरीर की वे इंद्रियाँ जिनसे मल, मूत्र, पसीना, आँसू, नाखून आदि शरीर के विभिन्न मैल या मल निकलते हैं, गुदा, शरीर में पाखाना निकलने का स्थान।

मलधात्री स्त्री. (तत्.) बच्चे का मल-मूत्र आदि धोने, उसके गंदे कपड़े साफ करने, बच्चे को स्वच्छ रखने का दायित्व निभाने वाली महिला, धाय।

मलनल पुं. (देश.) मलनाली, मल-मूत्र या गंदगी ले जाने वाला नल या नाली या पाईप आदि।

मलना स.क्रि. (तद्.) 1. मलन, मालिश करना 2. मर्दन, मीजना, मसलना 3. हाथ या किसी और माध्यम से दबाते हुए किसी वस्तु को घिसना अथवा किसी वस्तु जैसे तेल या मरहम आदि को दबाव देते हुए शरीर या किसी अन्य वस्तु पर लेपना 4. माँजना 5. मरोड़ना, ऐँठना।

मलनी स्त्री. (देश.) कुम्हारों का एक औजार या उपकरण जिससे पात्र को चिकना किया जाता है।

मलपट्ट पुं. (तत्.) दे. मलट।

मलपरीक्षा स्त्री. (तत्.) चिकित्सा में निदान की दृष्टि से मल की परीक्षा जिससे उसमें रक्त, पीब व कीट या अन्य विकारों का पता चले जिससे निदान में आसानी हो।

मलफेन पुं. (तद्.) 1. किसी द्रव की सतह पर पैदा हो जाने वाला फालतू या अनुपयोगी व अशुद्ध घटक, झाग, गोज, फेन 2. धातु को जब द्रव रूप में लाया जाए तो उससे निकला हुआ धातुमल या अवस्कर 3. गन्ने से चीनी बनाने के दौरान रस से पैदा झाग आदि।

मलबा पुं. (देश.) कूड़ा-कर्कट, कतवार, टूटी या गिराई गई या स्वयं से गिर पड़ी इमारत की ईंट, पत्थर आदि का ढेर।

मलभक्षी पुं. (तत्.) मल खाने वाला, मलभुज, वह प्राणी जो मल (या गंदगी) पर जिंदा रहता है।

मलमल स्त्री. (तद्.) मल मल्लक, एक प्रकार का प्रसिद्ध महीन बारीक या पतला सफेद सूती कपड़ा।

मलमास पुं. (तत्.) हर तीसरे वर्ष पड़ने वाला वह अमांत या चांद्र मास जिसमें संक्रांति न पड़ती हो